E-mail: justiceambit@gmail.com

E-mail: legalambit.ho@gmail.com

PRGI No: RJBIL/26/A2945

नागौर से प्रकाशित...

जस्टिस एम्बिट

हिन्दी एवं English समाचार पत्र

सत्य | न्याय | अधिकार

वर्षः 01 | डिजिटल अंक | नागौर, रविवार 02 अगस्त, 2026 | मूल्यः 10.00 रुपए | पृष्ठः 8

पढ़े.... 3

मोदी बोले...

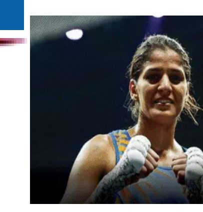

पढ़े.... 4

कॉमनवेल्थ...

सीजेआई बोले- आपसी समझौते से विवाद सुलझाना हमारी सभ्यता

मध्यस्थता वेदों और इतिहास में मौजूद, गांधीजी ने समझौते को सबसे अच्छा अनुभव बताया था

जयपुर। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-समझौते या मिडिएशन के जरिए आपसी विवाद सुलझाना हमारे सत्यता की जड़ों में है। महात्मा गांधी ने भी अपने वकालत जीवन का सबसे संतोषजनक अनुभव दो पक्षों के बीच आपसी समझौते में मददगार बनने को बताया था। मिडिएशन कानून बनने से पहले भी मिडिएशन हमारी रगों में दौड़ता रहा है। सीजेआई ने ये बातें जयपुर में कॉमनवेल्थ देशों के मिडिएशन सेमिनार के दूसरे दिन के सेशन में कही।

कहानी से समझाया विवाद निपटाने का महत्व

सीजेआई सूर्यकांत ने दो बहनों के बीच संतरे की लड़ाई की कहानी के जरिए आपसी समझौते से विवाद निपटाने का महत्व बताया। जस्टिस ने कहा- दो बहनें एक संतरे के लिए आपस में लड़ रही थीं। दोनों ही खुद को उस संतरे का असली हकदार बता रही थीं। दोनों अपनी-अपनी बात पर अड़ी हुई थीं। बड़ी बहन खुद के उम्र में बड़ी होने का तर्क देते हुए खुद को संतरे का असली हकदार बता रही थी। छोटी बहन का तर्क था कि वो छोटी है, इसलिए संतरे की ज्यादा हकदार है। काफी देर तक बहस चलती रही, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकल रहा था। क्योंकि दोनों जिद पर अड़ी थी।

लंबी बहस के बाद समाझौते करना पड़ा

सीजेआई ने कहा- लंबी बहस के बाद भी समाधान नहीं निकलने पर दोनों ने आखिरकार समझौता करने का फैसला किया। संतरे को बीच से आधा-आधा काट दिया। दोनों बहनें आधा-आधा संतरा लेकर चली गईं। आधा संतरा हाथ में आने के बाद पहली बहन ने उसे छीला और छिलका फेंक दिया, अंदर का फल खा लिया। दूसरी बहन ने अपने हिस्से के आधे संतरे को छीलकर अंदर का फल फेंक दिया और उसके छिलके से केक बनाया। सीजेआई ने कहा- इन दोनों बहनों ने जिद छोड़ एक दूसरे की जरूरत को समझा होता और आपस में बातचीत की होती तो दोनों को बिल्कुल वही मिलता जो वे चाहती थीं। जिस बहन को फल खाना था, उसे आधा नहीं बल्कि पूरा संतरा खाने को मिलता। जिस बहन को केक बनाना था, उसे पूरे संतरे का छिलका मिल जाता। असली जिंदगी में भी मिडिएशन के बिना इसी तरह बातचीत अधूरी रह जाती है।

मध्यस्थता वेदों और भारतीय इतिहास में मौजूद

सीजेआई ने कहा- कल उद्घाटन सत्र में यह बहुत ही सही तरीके से बताया था कि मध्यस्थता जो वेदों में और भारत के इतिहास में मौजूद है। रामायण, महाभारत और हमारी पुरानी ऐतिहासिक कहानियां हैं। हर कहानी मध्यस्थता का एक नया आयाम बताती है, जिसे मुझे दोहराने की आवश्यकता नहीं है। कल उद्घाटन भाषण में इस पर बहुत सोच-समझकर विचार किया गया था।

कौटिल्य ने साम यानी सुलह को सबसे अच्छा विकल्प बताया था

सीजेआई ने कहा- कौटिल्य मेरे द्वारा पढ़े गए इतिहास में सबसे महान दार्शनिकों में से एक हैं। कौटिल्य जो पहला विकल्प देते हैं, वह साम है, मतलब समझाना-बुझाना या सुलह। तो मूल रूप से मध्यस्थता का सिद्धांत उसी दर्शन से आया है। उसी दर्शन ने वास्तव में शासन के संहिताबद्ध सिद्धांतों को तैयार करने का रास्ता साफ किया।

राजा का फैसला अंतिम होता था, लेकिन पहला विकल्प समझौता ही था

सीजेआई ने कहा- कौटिल्य के सैकड़ों साल बाद एक और दर्शन आया जिसने न्यायिक फैसलों के लिए पदानुक्रम तय किया। इस पदानुक्रम में पहले कुल, फिर श्रेणी, इसके बाद पूग (समूह) और आखिर में खुद राजा का फैसला था। यहां भी चार सिद्धांत थे। पहला सिद्धांत फिर से एक साथ बैठने और अपने विवादों को आपस में सुलझाने की बात करता है।

कौटिल्य ने कानून के राज के लिए साम, दांड, दंड और भेद ये चार तरीके बताए थे

सीजेआई ने कहा- कौटिल्य के अर्थशास्त्र का ही उदाहरण लीजिए, कौटिल्य ने कानून के शासन के लिए चार तौर-तरीके बताए थे। कौटिल्य के चार तरीके साम, दाम, दंड और भेद के नाम से जाने जाते है। कौटिलय ने तय किया कि राजा का अंतिम फैसला चौथा यानी दंड है, तो साम क्या है? साम का अर्थ है समझाना-बुझाना। दाम का अर्थ है प्रोत्साहन या कीमत। दंड का अर्थ है सजा या बल का प्रयोग और भेद का अर्थ है विभाजन या फायदा उठाना। यह राजा के लिए नियम था। राजा के लिए फूट डालो और राज करो का नियम था।

महात्मा गांधी ने आपसी समझौते को संतोषजनक अनुभव बताया था

सीजेआई ने कहा- हम सभी ने महात्मा गांधी के बारे में पढ़ा है। गांधीजी वकालत में बिताए अपने दिनों को याद करते हुए यह स्वीकार करते हैं कि एक वकील के रूप में उनका सबसे संतोषजनक अनुभव तब था जब उन्होंने दो पक्षों के बीच मध्यस्थता कराई। दो पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण समझौते में योगदान दिया। इससे हमें जो समझ मिलती है, वह यह है कि मध्यस्थता भारत में 2023 में एक कानून का रूप आने से पहले ही हमारे रगों में दौड़ रही है। यह हमारी संस्कृति का एक हिस्सा है। अब न केवल यह हमारी संस्कृति का एक हिस्सा है, बल्कि अब विधायिका और ज्यूडिशरी ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत घटाई

तेल कंपनियों ने लगातार दूसरी बार कम की रेट, दो महीने में अब तक 375.50 रुपए तक कम हुए

जयपुर। अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद से लिक्विड पेट्रोलियम गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से बढ़ी महंगाई से राहत मिलनी शुरू हो गई। पेट्रोलियम कंपनियों ने देर रात एलपीजी गैस की कीमतों का रिव्यू करने के बाद कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी की है। कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल सिलेंडर पर 192 रुपए की कमी की है। हालांकि घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर रखे हैं। ये लगातार दूसरा महीना है जब कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर सस्ता किया है। राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया- कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम घटाए हैं, जिसकी नई रेट लिस्ट जारी की है। नई रेट लिस्ट के मुताबिक, जयपुर में आज से 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 2957 रुपए के बजाए अब 2765 रुपए में मिलेगा। इससे पहले जुलाई में कंपनियों ने 183.50 रुपए की कमी की थी। इस तरह कॉमर्शियल सिलेंडर पर दो माह में 375.50 रुपए तक की कमी हुई है। घरेलू उपयोग के सिलेंडर की कीमतों में कंपनियों ने कोई बढ़ोतरी नहीं की है। घरेलू सिलेंडर आज भी बाजार में 945.50 रुपए में ही मिलेगा। इस साल कॉमर्शियल सिलेंडर पर कंपनियों ने अब तक 6 बार से ज्यादा बार कीमतों में बढ़ोतरी की थी। जनवरी में कंपनियों ने 111 रुपए, फरवरी में 49.50, मार्च में 141.50 रुपए, अप्रैल में 195 रुपए, मई में 993 और जून में 42 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की थी।

रीट 2022 पेपर लीक में तीसरी गिरफ्तारी

अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले पेपर और तैयारी कराने के नाम पर करता था सौदेबाजी

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 के पेपर लीक मामले में स्ह्वत्र ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराने और पढ़ाने का झांसा देकर अवैध वसूली के लिए दलाली करता था। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 के पेपर लीक मामले में नागौर जिले के कुचेरा थाना क्षेत्र के कसनियों का बास (देशवाल) निवासी सुरेश कसटनिया (30) को 29 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित इस परीक्षा का प्रश्न-पत्र निर्धारित तिथि और समय से पहले लीक करने का प्रयास किया गया था। जांच में सामने आया कि सुरेश कसटनिया ने अन्य सह-आरोपियों के साथ मिलकर अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराने और उसकी तैयारी कराने का लालच दिया था। इसके बदले अभ्यर्थियों से अवैध रूप से मोटी रकम की वसूली की गई थी।

दलाल की भूमिका में था आरोपी

जांच के दौरान सुरेश कसटनिया की भूमिका पूरे नेटवर्क में मध्यस्थ (दलाल) के रूप में सामने आई है। वह पेपर उपलब्ध कराने वाले गिरोह और अभ्यर्थियों के बीच संपर्क स्थापित कर अवैध धनराशि के लेन-देन में अहम भूमिका निभा रहा था।

जयपुर के रेलवे टीसी ने कॉमनवेल्थ में जीता मेडलः आखिरी थ्रो में बदला नतीजा

बोले- ऑपरेशन के कारण ओलिंपिक में नहीं कर पाया था क्वालिफाई

जयपुर। जयपुर के रेलवे टिकट क्लर्क (टीसी) यशवीर सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जेवलिन थ्रो में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने अपने आखिरी थ्रो से ऐसा कमाल किया कि पूरे मुकाबले का नतीजा ही बदल गया। पहले पांच प्रयासों तक पदक की दौड़ में पीछे चल रहे यशवीर ने छठे और अंतिम प्रयास में 85.41 मीटर का शानदार थ्रो कर न सिर्फ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अपना पुराना पर्सनल बेस्ट 83.72 मीटर भी पीछे छोड़ दिया। सबसे बड़ी बात यह रही कि यशवीर ने पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और मौजूदा ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए पोडियम पर जगह बनाई। यशवीर को इस सफलता के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पडा। कभी चोट के कारण मैदान से बाहर रहना पडा तो कभी ऑपरेशन के कारण 2024 ओलिंपिक में क्वालिफाई ही नहीं कर पाए। इसके बाद भी लगातार मेहनत करते रहे और अब भारत के लिए पदक जीता।

नौकरी के साथ खेल पर भी फोकस रखा

यशवीर ने बताया कि उनका परिवार मूल रूप से हरियाणा का रहने वाला है। पिता भारतीय रेलवे में नौकरी करते हैं। इसी कारण उनका परिवार जयपुर आ गया। स्कूली शिक्षा जयपुर में हुई। कॉलेज की पढ़ाई चंडीगढ़ से पूरी की। फिलहाल उनके पिता जयपुर रेलवे में कंप्लेंट इंचार्ज हैं। वह खुद भी जयपुर जंक्शन पर टीसी है। नौकरी के साथ-साथ अपने खेल को कभी नहीं छोड़ा और लगातार अभ्यास जारी रखा।

पिता से खेल की बारीकियां सीखीं

यशवीर ने बताया कि जेवलिन थ्रो में आने के पीछे पिता का हाथ है। पिता खुद बहुत अच्छे जेवलिन खिलाड़ी रहे हैं। उन्हीं को देखकर मैंने यह खेल शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने ही मुझे इस खेल की बारीकियां सिखाईं। जयपुर के रेलवे ग्राउंड में मैं अपने पिता के साथ प्रैक्टिस करता था। पिछले सात साल से मैं लगातार इसी लक्ष्य के लिए मेहनत कर रहा था।

नीरज चोपड़ा को देखकर भारत के लिए पदक लाने का सपना देखा था

यशवीर ने कहा कि पढ़ाई में विशेष रुचि नहीं थी। ऐसे में पिता चाहते थे कि वह खेल के माध्यम से अपना भविष्य बनाए। पिता हमेशा कहते थे कि अच्छा खिलाड़ी बनोगे तो जीवन में आगे बढ़ोगे। मैंने उनकी बात को गंभीरता से लिया और पूरी मेहनत से खेलना शुरू किया। इसी मेहनत के दम पर मुझे रेलवे में सरकारी नौकरी मिली। लेकिन मेरा सपना सिर्फ नौकरी तक सीमित नहीं था। जब मैंने नीरज चोपड़ा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के लिए मेडल जीतते देखा, तभी मैंने भी तय कर लिया था कि एक दिन भारत के लिए पदक जीतकर तिरंगा ऊंचा करूंगा।

इंजरी के कारण मैदान से दूर रहा

यशवीर ने बताया कि चोट की वजह से करीब छह महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा।उस समय काफी निराशा हुई, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैंने अपनी रिकवरी पर पूरा ध्यान दिया और खुद से वादा किया कि एक दिन जरूर वापसी करूंगा। इसके बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में डेब्यू किया और पदक जीता।

सीएम भजनलाल बोले- गहलोत हेराफेरी अच्छी करते, कांग्रेस में आपको इसके लिए जाना जाता, आपके मंत्री जेल में; युवाओं को धोखा दिया

उदयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जादूगर हैं। कांग्रेस में आपको हेराफेरी के लिए जाना जाता है। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि आप हेराफेरी अच्छी करते हैं। राजस्थान में कुछ भी अच्छा होता है तो आपको अपने समय की याद आ जाती है। जब विकास होता है तो आपको अपने भ्रष्टाचार की याद आ जाती है। मुझे कहने की जरूरत नहीं है। राजस्थान की जनता जानती है कि आपके मंत्री जेल में हैं। आपके अधिकारी जेल में हैं। आपने युवाओं को कितना धोखा दिया। आप अपना समय का निकाल लीजिए और हमारा भी निकाल लीजिए। ढाई साल में 1 लाख 78 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का काम किया है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि आपके समय रोडवेज कर्मचारियों को आठ-आठ महीने से तनख्वाह मिलती थी लेकिन आज हम राजस्थान में समय पर सभी को तनख्वाह दे रहे है। भजनलाल शर्मा उदयपुर की पिछोला झील किनारे स्थित कालका माता नर्सरी में 77वें वन महोत्सव में बोल रहे थे।

गहलोत को पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की बातों का जवाब देना था

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- पूर्व सीएम अशोक गहलोत को पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की बातों का जवाब देना था, लेकिन वे बातों को घूमा रहे हैं। डोटासरा आपको और महेंद्र जीत मालवीया को लेकर क्या कह रहे थे। आप उस बात को दूसरी तरफ मोड़ना चाहते थे। लेकिन ये मुड़ने वाली नहीं है। आपके समय का भ्रष्टाचार और आपके समय की वित्तीय व्यवस्था थी। उसको ध्यान में करके बात करते हैं। मै कहना चाहता हूं कि हम एक-एक वायदे को पूरा कर रहे हैं।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से करेंगे संवाद

मुख्यमंत्री का रात में झाड़ोल तहसील के बीड़ा गांव में संवाद कार्यक्रम है।। वहां के सरकारी स्कूल में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में वे ग्रामीणों से बात करेंगे। रात को गांव में ही विश्राम करेंगे।

दारू भी आग की तरह फैलती है; नीट में राजस्थान का रिजल्ट अच्छा, मैं संतुष्ट नहींः राज्यपाल

अजमेर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा- नीट पेपर लीक जैसे मामलों के लिए केवल व्यवस्था जिम्मेदार नहीं है, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों की कमी भी इसकी बड़ी वजह है। शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि अच्छे संस्कार भी देने चाहिए। सुधा मूर्ति और अमिताभ बच्चन सहित कई महान हस्तियों का उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन में सादगी, ईमानदारी और मेहनत ही स्थायी सफलता दिलाती है। शिक्षा व्यवस्था पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोगों की मानसिकता बन गई है कि बच्चे पढ़ें या न पढ़ें पगार तो मिल ही जाएगा। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी, तब तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव नहीं होगी। युवाओं से नशा छोड़ने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि दारू भी आग की तरह फैलती है। अमिताभ बच्चन का उदाहरण देते हुए बताया कि एक दोस्त की सलाह पर उन्होंने शराब का गिलास और सिगरेट फेंक दी थी। राज्यपाल ने ये बात आज महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के 39वें स्थापना दिवस समारोह में कहीं। राज्यपाल ने शिक्षा व्यवस्था, नीट परीक्षा, पेपर लीक, नैतिक शिक्षा और युवाओं की भूमिका पर खुलकर अपनी बात रखी। वहीं NSUI ने आरोप लगाया कि उन्हें राज्यपाल को ज्ञापन देने से रोका गया और हिरासत में ले लिया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षाविद और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

पेपर किसने लीक किया, आदमी ने या जानवरों ने

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा- %ीट की परीक्षा हुई और उस पर बहुत चर्चा हो गई। नीट की परीक्षा में पेपर लीक हुए और अभी भी बहुत लोग उसके पीछे पड़े हैं। क्यों हुएड किसने कियाड आदमी ने किया या जानवरों ने किया। राज्यपाल ने कहा, अब अगले साल 12 महीने के बाद परीक्षा होगी। अभी कानून पास हो गया है। कोई पेपर लीक नहीं करेगा। 10 करोड़ का दंड है। सिपाही, टीचर और किसी छोटे ने किया तो 10 करोड़ कहां से देगा। इससे सभी डरेंगे कि भाई 10 करोड़ कहां से भरेंगे।

राजस्थान का रिजल्ट अच्छा, लेकिन मैं संतुष्ट नहीं

राज्यपाल ने कहा कि अभी नीट की परीक्षा हुई। हमारा राजस्थान संख्या के दृष्टि से दूसरे नंबर पर है। परसेंटेज और क्वालिटी की दृष्टि से पहले नंबर पर है। बागड़े ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि उन्हें यह बताया जाए कि सरकारी और निजी स्कूलों से कितने विद्यार्थी सफल हुए। जनजाति, जाति और अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों का कितना प्रतिशत रहा।

नगर निकाय चुनावों में जीत के लिए कांग्रेस ने झोंकी ताकत, डूंगरपुर सर्किट हाउस में जिला कांग्रेस की रणनीति बैठक

प्रभारी हीरालाल दरांगी और जिलाध्यक्ष गणेश घोघरा ने कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क व बूथ मजबूती का दिया गुरुमंत्र

संतोष व्यास@जस्टिस एम्बिट

डूंगरपुर। आगामी नगर परिषद डूंगरपुर और नगर पालिका सागवाड़ा के चुनावों में विजय पताका फहराने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी ने अपनी तैयारियाँ तेज कर दी हैं। शनिवार को डूंगरपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जीत का खाका तैयार किया। बैठक के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी हीरालाल दरांगी एवं जिलाध्यक्ष गणेश घोघरा की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान और चुनावी रणनीति पर गहन मंथन किया गया।

बूथ स्तर पर मजबूती और अनुशासन ही जीत की कुंजी: हीरालाल दरांगी

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं जिला प्रभारी हीरालाल दरांगी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आपसी मतभेदों को भुलाकर पूरी एकजुटता और अनुशासन के साथ चुनाव मैदान में उतरें। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक शक्ति उसका बूथ स्तरीय कार्यकर्ता होता है। दरांगी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर घर-घर संपर्क साधे। उन्होंने कांग्रेस सरकार की जनहितैषी नीतियों, सामाजिक न्याय और स्थानीय विकास के मुद्दों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर बल दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि कार्यकर्ता निष्ठा और समर्पण के साथ जिम्मेदारी संभालेंगे, तो डूंगरपुर और सागवाड़ा दोनों ही निकायों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित होगी।

समन्वय और टीम भावना से करेंगे काम: गणेश घोघरा

जिलाध्यक्ष गणेश घोघरा ने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि आगामी नगर निकाय चुनाव संगठन की ताकत और एकजुटता की परीक्षा हैं। उन्होंने सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और युवा कार्यकर्ताओं से समन्वय और टीम भावना के साथ काम करने की अपील की। घोघरा ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता बूथ स्तर तक संगठन को अभेद्य बनाना और प्रत्येक मतदाता तक सीधे पहुँचना है। कांग्रेस हमेशा से जन-सरोकारों की आवाज़ उठाती रही है और जनता के इसी अटूट विश्वास के बल पर हम दोनों निकायों में ऐतिहासिक विजय दर्ज करेंगे।

शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति

बैठक में क्षेत्र के प्रमुख नेताओं ने अपनी उपस्थिति से कार्यकर्ताओं में नए उत्साह का संचार किया। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री डॉ. शंकर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियकांत पंड्या, पूर्व विधायक सुरेन्द्र बामणिया, पूर्व विधायक पूंजीलाल परमार, पूर्व उप जिला प्रमुख प्रेमकुमार पाटीदार, संगठन महासचिव नारायण पंड्या, निवर्तमान उप जिला प्रमुख सुरता परमार, वरिष्ठ नेता करणसिंह चौहान, विधायक प्रत्याशी राकेश रोत व कैलाश रोत सहित ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष और विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन संगठन महासचिव नारायण पंड्या ने किया, जबकि अंत में क्रय-विक्रय सहकारी समिति की डायरेक्टर अंशुमाला पंचाल ने सभी आगत अतिथियों और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत डूंगरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 4.471 किग्रा गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

डीएसटी की गुप्त सूचना पर कुआँ थाना क्षेत्र में हुई छापेमारी, 45 वर्षीय आरोपी चढ़ा हत्थे

संतोष व्यास@जस्टिस एम्बिट

डूंगरपुर/संतोष व्यास। नशा मुक्त जिला बनाने की दिशा में चलाए जा रहे अभियान को लेकर डूंगरपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस महानिरीक्षक रेंज उदयपुर द्वारा संचालित ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 4.471 किलोग्राम सूखा गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मकान में दबिश देकर पकड़ा गांजा

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के निर्देशन में जिलेभर में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ का अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को डीएसटी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि थाना कुआँ के अंतर्गत आने वाले ग्राम डूंगरसारण में एक मकान के भीतर अवैध गांजे का भंडारण किया गया है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत हरकत में आते हुए चिन्हित मकान में छापेमारी की। तलाशी के दौरान मौके पर गांजा बरामद हुआ, जिसका वजन करने पर वह 4.471 किलोग्राम पाया गया।

पुलिस ने मौके से गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान शंकर पुत्र रतना रोत (उम्र 45 वर्ष), निवासी डूंगरसारण, थाना कुआँ, जिला डूंगरपुर के रूप में हुई है।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। थानाधिकारी कुआँ द्वारा आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है, जिससे इस नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों का भी सुराग लगने की संभावना है।

डूंगरपुर में बच्चों की तस्करी के खिलाफ निर्णायक जंग का एलान : जागरूकता व कड़े कानून के जरिए बाल दुर्व्यापार पर लगेगी पूरी तरह लगाम

सृष्टि सेवा समिति और जेआरसी का 2030 तक चलेगा राष्ट्रव्यापी अभियान

संतोष व्यास@जस्टिस एम्बिट

डूंगरपुर/नई दिल्ली। विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के प्रतिष्ठित कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श सम्मेलन के दौरान बाल दुर्व्यापार (चाइल्ड ट्रैफिकिंग) के खिलाफ एक देशव्यापी और निर्णायक संघर्ष का शंखनाद किया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर नेशनल कैंपेन अगेंस्ट चाइल्ड ट्रैफिकिंग की आधिकारिक शुरुआत की गई, जो वर्ष 2030 तक निरंतर जारी रहेगा। जिले में बाल संरक्षण और सुरक्षा के लिए समर्पित अग्रणी गैर-सरकारी संस्था सृष्टि सेवा समिति ने इस अभियान का हिस्सा बनते हुए डूंगरपुर जिले को बाल तस्करी से पूरी तरह मुक्त कराने और ट्रैफिकरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का संकल्प दोहराया है।

यह महत्वपूर्ण निर्णय बाल अधिकारों के संरक्षण में प्रयासरत 250 से अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा आयोजित इंश्योरिंग ए चाइल्ड राइट्स, पोटेंशियल एंड प्रास्पेरिटी विषयक राष्ट्रीय परामर्श में लिया गया। इस सम्मेलन में देश के 782 जिलों से आए प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

तस्करी से बचाना फरिश्ते जैसा काम : सावित्री ठाकुर

राष्ट्रीय परामर्श के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने नागरिक समाज संगठनों के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी मासूम की जिंदगी बचाना संसार का सबसे पुण्य कार्य है। अक्सर छोटी उम्र की बालिकाएं तस्करों के चंगुल में फंसकर यौन शोषण के उस अंधेरे कुएं में धकेल दी जाती हैं, जहां से वे कभी अपने घर नहीं लौट पातीं। ऐसी असहाय बच्चियों को मुक्त कराने वाले स्वयंसेवी किसी फरिश्ते से कम नहीं हैं।

आंकड़ों में भयावहता : हर घंटे गायब होते हैं 11 बच्चे

सृष्टि सेवा समिति की निदेशक सीमा मदावत ने देश में बाल तस्करी के खौफनाक आंकड़ों को साझा किया। उन्होंने बताया कि देश में रोजाना औसतन 6 बच्चों की तस्करी होती है और 5 बच्चों से जबरन मजदूरी करवाई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हर घंटे 11 बच्चे लापता होते हैं, जिनमें से अधिकांश ट्रैफिकिंग गिरोहों का शिकार बन जाते हैं। हथियारों और ड्रग्स के बाद ह्यूमन ट्रैफिकिंग दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है। जेआरसी और सहयोगी संस्थाओं के कानूनी हस्तक्षेप से अप्रैल 2023 से दिसंबर 2025 के बीच देशभर में 1,22,516 बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कराया गया है।

स्थानीय गिरोहों पर कड़ा प्रहार और पुनर्वास की व्यापक रणनीति

सीमा मदावत ने बताया कि बाल दुर्व्यापारी कोई अनजान बाहरी व्यक्ति नहीं होते, बल्कि वे आस-पास के ही परिचित लोग होते हैं जो गरीब परिवारों को अच्छी नौकरी या बेहतर जिंदगी का झांसा देकर बच्चों को ले जाते हैं और बाद में उन्हें वेश्यावृत्ति, भिक्षावृत्ति या बंधुआ मजदूरी के दलदल में धकेल देते हैं। जिला समन्वयक सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि सृष्टि सेवा समिति डूंगरपुर जिले में बाल दुर्व्यापार के रोकथाम, कानूनी कार्रवाई और पुनर्वास के त्रिस्तरीय मॉडल पर कार्य करेगी। जिसके तहत जिला प्रशासन व पुलिस के सहयोग से वंचित व हाशिये के परिवारों को चिह्नित कर उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा, ताकि आर्थिक तंगी के कारण बच्चे पढ़ाई न छोड़ें। वहीं, तस्करों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा मुक्त कराए गए बच्चों का मानसिक, शैक्षणिक और सामाजिक रूप से उचित पुनर्वास किया जाएगा।

धनमाता पहाड़ी से सटे इलाकों में बारिश के दौरान बढ़ रही घटनाएं, सुरमों का चौक में 7 फीट लंबा अजगर निकलने से फैली दहशत

संतोष व्यास@जस्टिस एम्बिट

डूंगरपुर। शहर के सुरमों का चौक इलाके में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब राहगीरों ने एक विशालकाय 7 फीट लंबे अजगर को घूमते देखा। अचानक इतने बड़े अजगर को देखकर क्षेत्रवासियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए।

नाली में दिखने के कुछ ही देर बाद अजगर एक स्थानीय मकान के निकासी पाइप में जा घुसा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निवर्तमान पार्षद ब्रिजेश सोमपुरा ने तुरंत एनिमल रेस्क्यू टीम को मामले की सूचना दी।

रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित पकड़ा

सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम के सदस्य कृष्णा भोई एवं पंकज भोई मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को मकान के पाइप से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद अजगर को आबादी वाले क्षेत्र से दूर जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मौके पर

लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। अजगर के पकड़े जाने के बाद ही स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली और रेस्क्यू टीम के त्वरित कार्य की सराहना की।

पहाड़ी इलाकों से नीचले क्षेत्रों में पहुंच रहे वन्यजीव

मामले पर चिंता जताते हुए निवर्तमान पार्षद ब्रिजेश सोमपुरा ने बताया कि धनमाता पहाड़ी से सटे मालीवाड़ा और आसपास के इलाकों में आए दिन सांप और अजगर निकलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। विशेषकर बारिश के मौसम में ये जहरीले जीव और वन्यजीव पहाड़ी से बहकर या रेंगकर निचले रिहायशी इलाकों में आ जाते हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है।

नगर परिषद से सुरक्षा उपायों की मांग

निवर्तमान पार्षद सोमपुरा ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि मालीवाड़ा और सुरमों का चौक जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त रोड लाइट की व्यवस्था की जाए और बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तुरंत चालू कराया जाए। साथ ही, नालियों की नियमित सफाई, झाड़ियों की कटाई और कचरा हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। पार्षद ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का वन्यजीव या सांप दिखने पर घबराएं नहीं और न ही उसे नुकसान पहुंचाने या खुद पकड़ने का प्रयास करें। ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग या विशेषज्ञ रेस्क्यू टीम को सूचित करें।

मोदी बोले- पहले एयरपोर्ट के नाम एक परिवार पर थेः हमने परंपरा बदली, भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बना

अमरावती। पीएम मोदी ने शनिवार को अमरावती में कहा- 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।' 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा। अमरावती के एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।' पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद वह मैसूरु गए। यहां उन्होंने स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र, विवेक स्मारक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत का युवा जो पहले जंजीरों में था आज आगे बढ़ रहा है। युवाओं की वजह से भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है।

पीएम बोले- युवाओं ने भारत को स्टार्टअप का हब बनाया

मोदी ने कहा कि भारत का युवा जो पहले जंजीरों में था आज आगे बढ़ रहा है। युवाओं की वजह से भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है। ये भारत के युवाओं की वजह से ही हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं ने **AI**, सेमीकंडक्टर और टेक में अपना योगदान दिया है। कुछ दिन पहले युवाओं का बनाया हुआ एक प्राइवेट रॉकेट अंतरिक्ष में पहुंचा है।

मोदी बोले- मैं उस घर में गया जहां स्वामी विवेकानंद रहते थे

पीएम मोदी ने मैसूर में कहा कि कुछ देर पहले मैं उस भवन में भी गया था जहां स्वामी विवेकानंद जी ने समय बिताया था।

आज हम उनकी परंपरा को विस्तार दे रहे हैं। व्यक्ति से विभूति का निर्माण एक दिन में नहीं होता। इसके लिए अनगिनत योगदान देना होता है। लेकिन तप के समय महान विभूति को पहचानना अहम है।

पीएम बोले- मेरे जीवन में रामकृष्ण मिशन का योगदान

पीएम मोदी ने मैसूर में कहा कि आप सब जानते हैं मेरी यात्रा जहां से शुरू हुई उसमें रामकृष्ण मिशन का बहुत अहम योगदान है। मैं 3 महीने पहले हावड़ा में बेलूर मठ गया था। वहां भी मैंने मठ के गुरुओं का आशीर्वाद लिया।

पीएम ने कहा- अल्लूरी सीताराम ने आदिवासियों के लिए काम किया

मोदी ने कहा कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। अल्लूरी सीताराम ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज वहां पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। ये एयरपोर्ट आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्चपैड है।

मोदी बोले- आज का दिन स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम

आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए बेहद अहम है। स्वर्ण आंध्र विजन को नई गति मिली है। शुभ अवसर पर उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला। भगवान वराहलक्ष्मीनरसिंह स्वामी, श्री कुर्मनाथस्वामी और मां पौंडितल्ली अम्मवारू को नमन। 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। इनमें एयरपोर्ट, सड़क और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। विकास के साथ भिमसा (धीमसा) नृत्य ने भी नया सांस्कृतिक रिकॉर्ड बनाया। धीमसा नृत्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति अद्भुत रही। इसमें देश की विविधता और जनजातीय विरासत की झलक दिखी।

पीएम ने कहा- आज आंध प्रदेश में डबल स्पीड से काम हो रहा

पीएम ने कहा- आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में **NDA** की पूरी टीम आंध्र प्रदेश के लिए डबल स्पीड से काम कर रही है। आंध्रप्रदेश में करीब 1 लाख करोड़ रुपए की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। राज्य के पूरे रेल नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। यहां 70 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है।

पीएम बोले- 12 साल में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 166 हुई

प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है, इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कुछ दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट मॉडल का शुभारंभ हुआ। आज वही मॉडल के पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। इससे अमृतसर से 25 से ज्यादा डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगी।

मोदी बोले-पहले एक परिवार के नाम पर एयरपोर्ट होते थे

पीएम ने कहा- पहले एयरपोर्ट ने नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे। हमने इस परंपरा को बदला। हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा, और इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा।

राहुल गांधी का तमिलनाडु दौरा, चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे

मामल्लापुरम में कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करेंगे

चेन्नई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को तमिलनाडु दौरे पर चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे। वह मामल्लापुरम में कांग्रेस के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 23 जुलाई से 1 अगस्त तक चले 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रोडमैप तैयार करेंगे। बैठक का मुख्य फोकस बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ना है। बैठक के बाद राहुल गांधी राज्य के सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों और पूर्व उम्मीदवारों के साथ भी अलग से बैठक करेंगे। तमिलनाडु के प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर ने बताया कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जागरूक करना, कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना और प्रत्येक बूथ पर मजबूत संगठनात्मक ढांचा खड़ा करना है। अहमद मीर ने यह भी बताया कि तमिलनाडु यात्रा के दौरान राहुल का मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से मिलने का कोई कार्यक्रम नहीं है।

चढ़ावा चोरी का नाटक करने पर राहुल-पप्पू यादव पर FIR

लखनऊ में हिंदूवादी नेता बोला- पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देंगे

लखनऊ/वाराणसी। दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी के 'नाटक' को लेकर यूपी में विवाद बढ़ता जा रहा है। शनिवार को लखनऊ, वाराणसी, मथुरा समेत कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हुआ। वाराणसी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर FIR दर्ज हुई है। ये FIR पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक दास ने कोतवाली थाने में कराई है। लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली। राहुल-अखिलेश के मुखौटे पहने लोगों पर चप्पलें बरसाईं। संगठन ने पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देने का ऐलान किया। वहीं, मथुरा में साधु-संतों ने राहुल गांधी और पप्पू यादव की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की। शुक्रवार को संसद के बाहर पप्पू यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। इसमें पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। इसमें राहुल गांधी ने चंदा डाला था। इसके बाद चोरी पकड़े जाने का नाटक करते हुए अवधेश प्रसाद समेत कई विपक्षी सांसदों ने पप्पू यादव की सांकेतिक पिटाई कर दी थी। संत समाज ने इसे सनातन का अपमान बताते हुए विपक्ष के सांसदों से सिर झुकाकर माफी मांगने की मांग की थी। लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुरोध राय ने चेतावनी देते कहा- पप्पू यादव के पापों का अंत हो गया है। सजा का समय आ गया है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव भी सनातन विरोधी हैं। अगर इन लोगों ने माफी नहीं मांगी तो सनातन रक्षा संगठन जुबान खींचकर खूंटे से बांध देगा। संगठन के सदस्य शैलेंद्र कुमार दीक्षित ने कहा- पप्पू यादव ने जो नौटंकी की है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वो जहां नजर आएगा, उसे गंजा कर चप्पल से पीटा जाएगा। कल जो कुछ भी हुआ, वह भगवान राम का अपमान है। वहां पर यह दर्शाने की कोशिश की गई थी कि राम मंदिर में सभी लोग चोर हैं।

अजीत डोभाल ने कहा- आजादी का मतलब केवल मनमानी नहीं

आज की पीढ़ी को इसका सही मतलब समझना होगा, ये लंबे संघर्ष के बाद मिली है

पुणे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा, ' युवाओं को यह समझना होगा कि आजादी का मतलब केवल अपनी मर्जी से कुछ भी करने की मनमानी नहीं है।' डोभाल ने यह बात पुणे में लोकमान्य तिलक पुरस्कार कार्यक्रम में कही। इसमें डोभाल को गृहमंत्री अमित शाह ने लोकमान्य तिलक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। डोभाल ने इस मौके पर कहा, 'युवा आजादी को केवल अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी करने की स्वतंत्रता समझ सकते हैं, लेकिन आजादी का वास्तविक अर्थ यह नहीं है। हमें यह समझाना होगा कि देश की आजादी के पीछे एक लंबा संघर्ष और इतिहास रहा है।' NSA ने कहा कि आज के युवाओं को सोचना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अगर ऐसे विचार मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए। देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा।

शाह बोले- डोभाल को NSA बनाना मोदी का पहला फैसला

शाह ने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी द्वारा लिए गए पहले फैसलों में से एक अजीत डोभाल को **NSA** नियुक्त करना था। उन्होंने कहा कि इस कदम ने भारत के रणनीतिक रुख को बदल दिया। आज भारत की विदेश नीति में फौलाद जैसी मजबूती है और हमने आत्मसम्मान के साथ दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है।

25 जुलाईः भागवत बोले थे- नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिल्ली में कहा था, 'आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए।' उन्होंने कहा था कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।

जेन-जी, जो डिजिटल युग में बढी हुई

जेन-जी यानी 1997-2012 के बीच जन्मी पीढ़ी डिजिटल युग में बड़ी हुई है। यह सोशल मीडिया, तेज सूचना और नेटवर्किंग का इस्तेमाल बेहतर करती है। यह पीढ़ी पारंपरिक तरीकों के बजाय क्रिएटिव और विजुअल तरीकों से अपनी बात रखने के लिए जानी जाती है।

ई 20 फ्यूल का विरोध- केजरीवाल पीएम आवास तक मार्च निकालेंगे

बोले- पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल भी मिले, सरकार इसे थोपे नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा, 'पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को शुद्ध पेट्रोल और ई 20 के बीच चुनने का विकल्प दिया जाए। अगर ये मांग नहीं मानी जाती है तो 4 अगस्त को पीएम आवास तक मार्च निकाला जाएगा। यह बात केजरीवाल ने ई20 फ्यूल के मुद्दे पर बुलाई 'नेशनल टाउन हॉल' में कही। उन्होंने बताया कि वे 3 अगस्त की दोपहर तक याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ पीएम आवास तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है। सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है।

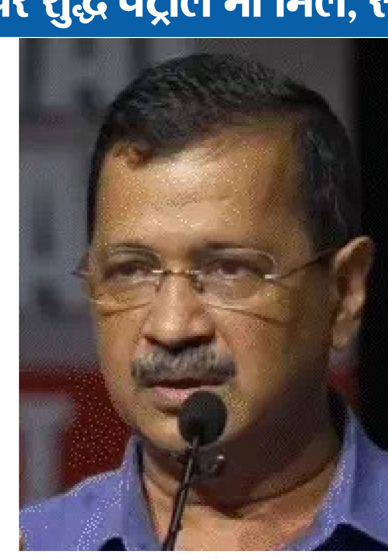

केजरीवाल बोले- इथेनॉल पेट्रोल से महंगा

केजरीवाल ने कहा, इथेनॉल बनाने वाले प्लांट के आस-पास के इलाकों में जमीन के नीचे का पानी प्रदूषित हो जाता है। मेरी सरकार से अपील है कि वह उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करे, जिसका हवाला देकर सरकार ने दावा किया था कि ई20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है। नेशनल टाउन हॉल' में कई राज्यों के लोग शामिल हुए। उन्होंने ई20 के इस्तेमाल को लेकर अपने अनुभव और समस्याओं के बारे में बताया जिनका सामना उन्हें अपने वाहनों के साथ करना पड़ रहा है।

भारत में क्यों हो रहा है ई20 पेट्रोल का विरोध?

भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (ई20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है। इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं। आप ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक ऑनलाइन याचिका शुरू की थी, जिस पर दो लाख से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। शनिवार के कार्यक्रम के बाद, वह प्रधानमंत्री आवास जाकर यह याचिका सौंपेंगे।

सड़कों पर पशुओं से हादसों में मुआवजा दिया जाए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केंद्र और राज्य सरकारें इसके लिए कानूनों में संशोधन करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं से होने वाले हादसों पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- पशुओं को नेशनल हाईवे, सड़कों और गलियों में यूं ही नहीं छोड़ सकते। वे नेचुरल स्पीड ब्रेकर नहीं हैं। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकारों से ऐसे हादसों के पीड़ितों को मुआवजा देने का नियम बनाने को कहा। साथ ही सुझाव दिया कि जरूरत हो तो इसके लिए कानूनों और नियमों में संशोधन भी किया जाए। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को यह सलाह पंजाब के संगरूर की रहने वाली निशा की याचिका पर दी। निशा के पति विजय की 21 सितंबर 2007 को सड़क पर पैदल जाते समय आवारा सांड के हमले में मौत हो गई थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि महिला को चार सप्ताह में 15 लाख मुआवजा दें। साथ ही कोर्ट ने कहा- हालांकि, इसे भविष्य के मामलों में नजीर नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने कहा- लावारिस पशुओं की समस्या का सबसे बड़ा कारण उन्हें आर्थिक रूप से अनुपयोगी होने पर छोड़ देना है। पशुपालक सिर्फ पशु पालने तक सीमित नहीं रह सकते, बल्कि उनके पूरे जीवन की जिम्मेदारी भी उनकी है। यदि किसी कारण पशु नहीं रख सकते तो गौशाला या आश्रय गृह में सौंपें, सड़कों पर न छोड़ें। समाज उपयोगिता खत्म होने पर पशु को छोड़ देता है। वहीं, उनके दूसरे उपयोगों का विरोध करता है। यह भी समस्या की एक वजह है।

किसान सम्मान निधि योजना 5 साल बढ़ाई गई : तेल-गैस खोज के लिए 84 हजार करोड़ रुपए मंजूर, कैबिनेट की बैठक में फैसला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट और सीसीए की बैठक हुई। इसमें समुद्र मंथन, सूर्य सरोवर योजना, पीएम सम्मान निधि और खेलो इंडिया जैसी कई योजनाओं पर फैसले लिए गए। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित किया। उन्होंने कहा- समुद्र मंथन नाम की एक बड़ी योजना को मंजूरी दी गई है। इसका मकसद देश में तेल और गैस उत्पादन के लिए खोज करना है और इसके लिए 84,084 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। यह देश में तेल और गैस की बढ़ती मांग के लिए

एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा- केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को भी वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। इस अवधि के लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है।

सोलर पावर जेनरेशन की मंजूरी

वैष्णव ने कहा- इन फैसलों में सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना पर किया गया है। पीएम मोदी ने इस योजना के तहत वाटर बॉडीज की सतह का इस्तेमाल करके सोलर पावर जेनरेशन करने की मंजूरी दी है। भारत में वाटर बॉडीज का इस्तेमाल करके 102 गीगा वॉट यानी एक लाख मेगावॉट सोलर पावर जेनरेशन करने की क्षमता है। इस योजना का लक्ष्य पूरे देश में कुल 5,000 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर PV (फोटोवोल्टिक) क्षमता बनाना है, जिसके लिए पांच साल की अवधि में प्रति मेगावाट 1 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। मंत्रिमंडल का एक अन्य महत्वपूर्ण फैसला देश में खेल संस्कृति और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने से संबंधित है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 8वां गोल्डः प्रीति और जैस्मिन बॉक्सिंग चैंपियन, सोमन ने पैरा शॉटपुट जीता; अब तक 30 मेडल

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने आठवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी, प्रीति पवार ने 54 केजी कैटेगरी और सोमन राणा ने पैरा शॉटपुट की F57 कैटेगरी में गोल्ड जीता। वहीं, मेंस 55 केजी कैटेगरी में जादुमणि सिंह को सिल्वर मिला। वे ऑस्ट्रेलिया के जाई डिकन्स से फाइनल हार गए। जैस्मिन ने फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स और प्रीति ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराया। इसके साथ ही भारत के 8 गोल्ड सहित कुल 30 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, भारत के 7 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे। रात 9 बजे साक्षी चौधरी (51 केजी), 9:15 बजे प्रिया घंघास (60 केजी), 9:30 बजे अरुंधति चौधरी (70 केजी), 10:15 बजे लवलीना बोरगोहेन (75 केजी), 10:45 बजे सचिन सिवाच (60 केजी), 11:15 बजे अंकुश पंघाल (80 केजी) और 11:45 बजे नरेंद्र बरवाल (90+ केजी) अपने-अपने फाइनल मुकाबले खेलेंगे।

जैस्मिन लांबोरिया, बॉक्सर

प्रीति पवार, बॉक्सर

सोमन ने सीजन बेस्ट थ्रो के साथ गोल्ड जीता, शुभम को सिल्वर

पैरा शॉट पुट इवेंट की F-57 कैटेगरी में भारत के सोमन राणा ने सीजन बेस्ट थ्रो के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। एक अन्य भारतीयय शुभम जुयाल ने सिल्वर पाया। सोमन राणा ने 13.40 मीटर गोला फेंका। शुभम जुयाल ने 13.28 मीटर थ्रो किया। F-57 कैटेगरी में वे खिलाड़ी आते हैं, जिनके कम के नीचे के अंग (पैरों) कमजोर होते हैं। लेकिन उनके ऊपरी शरीर (धड़ और हाथ) की ताकत पूरी तरह सामान्य होती है।

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

प्रीति पेरिस ओलिंपिक में हिस्सा ले चुकीं

हरियाणा की बॉक्सर प्रीति ने 2022 एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रीति 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता, जबकि 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में भी गोल्ड अपने नाम किया। प्रीति की ट्रेनिंग NS NIS पटियाला में होती है।

जैस्मिन ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज जीता था

हरियाणा की बॉक्सर जैस्मिन लांबोरिया 57 किग्रा कैटेगरी में फिलहाल इस वर्ग में दुनिया की नंबर-1 बॉक्सर हैं। उन्होंने 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड जीता है।

जैस्मिन 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत के लिए खेल चुकी हैं और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

उन्नति शर्मा क्वार्टर फाइनल में

जूडो में उन्नति शर्मा क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्नति ने महिला 63 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में लामुलेला मागागुला को हराया।

आज 44 मेडल इवेंट

बॉक्सिंग के अलावा आज भारत के खिलाड़ी एथलेटिक्स, पैरा एथलेटिक्स, जूडो, ट्रैक साइक्लिंग और लॉन बॉल्स में भी पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। दिनभर में कुल 44 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स के 19, बॉक्सिंग के 14, ट्रैक और पैरा ट्रैक साइक्लिंग के 6 और जूडो के 5 फाइनल शामिल हैं।

शनमुगम सातवें स्थान पर रहे

पैरा एथलेटिक्स में पुरुष 1500 मीटर ञ54 के फाइनल में भारत के रमेश शनमुगम सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 3:23:59 मिनट का समय लिया।

रवीना गायकवाड़ डिस्क्वालिफाई

महिलाओं की 10,000 मीटर रेस वॉक फाइनल में भारत की रवीना गायकवाड को डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। उन्हें रेस वॉकिंग नियमों के उल्लंघन के लिए तीन रेड कार्ड मिले, जिसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। इसके साथ ही कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका अभियान निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया।

रिपोर्ट- अमेरिका-इजराइल इस हफ्ते ईरान पर हमला कर सकते हैं

बिजली प्लांट-रिफाइनरी निशाने पर होंगे; ट्रम्प बोले- ईरान पर भरोसा खत्म हो रहा

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान/तेल अवीव। अमेरिका और इजराइल ईरान के ऊर्जा ढांचे पर बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हफ्ते बिजली संयंत्रों और तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया जा सकता है। इस सैन्य योजना पर शुक्रवार को कैंप डेविड में हुई ट्रम्प की कैबिनेट बैठक में भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, हम ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें ईरान पर भरोसा नहीं रहा, क्योंकि वे झूठ बोलते हैं, बातचीत की बात करते हैं, लेकिन बार-बार अपना वादा तोड़ देते हैं। दूसरी तरफ ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका हमला करता है तो उसका जवाब पूरी तैयारी के साथ दिया जाएगा। उनके मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और इजराइल के अहम सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाएगा।

1. **जयशंकर की ईरानी विदेश मंत्री से बात:** विदेश मंत्री जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में कारोबारी जहाजों और उन पर काम करने वाले नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।
2. **ईरान जंग में 16 भारतीयों की मौत:** इस साल पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद अब तक 16 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है। इनमें 10 नाविक शामिल हैं। सरकार ने संसद में इसकी जानकारी दी।
3. **पेंटागन ने मांगे 18.2 अरब डॉलर:** अमेरिका के रक्षा विभाग (पेंटागन) ने ईरान युद्ध के दौरान इस्तेमाल की गई मिसाइलों का भंडार फिर से भरने के लिए 18.2 अरब डॉलर (करीब 1.59 लाख करोड़ रुपए) की आपात फंडिंग मांगी है।

गुजरात के सूरत में 24 घंटे में 24 इंच बारिश

केरल में लैंडस्लाइड से 4 की मौत, अमरनाथ यात्रा स्थगित; राजस्थान-बिहार समेत 18 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। गुजरात में शुक्रवार को हुई भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सूरत में सबसे अधिक 24 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि 12 अन्य क्षेत्रों में 10 इंच से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने शनिवार को गुजरात और केरल राज्य के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। केरल में भी लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और लैंडस्लाइड जैसे हालात हैं। इडुक्की और कोट्टायम जिलों में अलग-अलग लैंडस्लाइड की घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की पाकिस्तान में मौत

8 हजार मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ रहे थे, हिमस्खलन में गई जान

नई दिल्ली। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की पाकिस्तान में हिमस्खलन यानी एवलांच की चपेट में आने के बाद मौत हो गई। उनके निधन की पुष्टि उनकी ही पर्वतारोहण कंपनी एलीट एक्सपेडिशन ने की है। निर्मल पुर्जा 30 जुलाई को काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंची ब्रॉड पीक की चोटी पर चढ़ाई कर रहे थे। इस दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। हिमस्खलन के बाद निर्मल पुर्जा समेत 10 पर्वतारोही लापता हो गए थे। इनमें छह नेपाली पर्वतारोही भी शामिल थे।

6 महीने में 14 सबसे ऊंची चोटियां फतह कीं

नेपाल और दुनिया भर के पर्वतारोहियों के बीच निम्स दाइ के नाम से मशहूर निर्मल पुर्जा ने 2019 में प्रोजेक्ट पॉसिबल की शुरुआत की थी। उनका मकसद था दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को सिर्फ सात महीने में फतह करना। उस समय इसे लगभग असंभव माना जा रहा था। निर्मल पुर्जा ने यह कारनामा महज छह महीने और छह दिन में पूरा कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण कोरिया के पर्वतारोही किम चांग-हो का करीब 8 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया।

ब्रिटिश स्पेशल फोर्स जॉइन करने वाले पहले नेपाली

निर्मल पुर्जा का जन्म 25 जुलाई 1983 को नेपाल के म्याग्दी जिले के दाना गांव में हुआ था। उनके परिवार का सेना से गहरा नाता रहा है। कई पीढ़ियों से परिवार के लोग गोरखा रेजिमेंट में सेवा करते रहे। उनके पिता और तीन बड़े भाई भी गोरखा सैनिक थे। ऐसे माहौल में पले-बढ़े निर्मल ने भी बचपन से ही सैनिक बनने का सपना देखा। बाद में उन्होंने इसी परंपरा को आगे बढ़ाया और ब्रिटिश सेना की गोरखा रेजिमेंट में भर्ती हो गए। करीब छह साल तक गोरखा सैनिक के रूप में सेवा देने के बाद उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह ब्रिटिश रॉयल नेवी की स्पेशल बोट सर्विस में शामिल होने वाले पहले नेपाली बने। **SBS** ब्रिटेन की नौसेना की सबसे खतरनाक और प्रतिष्ठित स्पेशल फोर्स है। इसके सैनिक समुद्र, पहाड़, जंगल और दुश्मन के इलाके में सीक्रेट ऑपरेशन चलाने के लिए ट्रेंड होते हैं। इसमें चयन इतना मुश्किल है कि बहुत कम सैनिक इसे पूरा कर पाते हैं।

सपने को पूरा करने के लिए नौकरी छोड़ दी

सेना में रहते हुए निर्मल पुर्जा ने अत्यधिक ठंडे और मुश्किल इलाकों में कई स्पेशल ऑपरेशन में हिस्सा लिया। इसी दौरान उनके मन में दुनिया की सबसे ऊंची चोटियों को फतह करने का ख्याल आया साल 2012 में निर्मल पुर्जा पहली बार एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक पर गए थे। उस समय वह सेना में थे तभी उनके मन में एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने का ख्याल आया। इसके लिए उन्होंने ट्रेनिंग शुरू की। करीब दो साल की मेहनत के बाद 2014 में उन्होंने पहली बार माउंट एवरेस्ट फतह किया। इसके बाद उन्होंने दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी चोटियों पर चढ़ने का लक्ष्य बना लिया। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने 2018 में अपनी नौकरी छोड़ दी और पूरी तरह पर्वतारोहण पर फोकस किया। इसमें सबसे बड़ी चुनौती पैसों की थी। खर्च जुटाने के लिए उन्होंने अपना घर तक बेच दिया, ताकि दुनिया की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ने का सपना पूरा कर सकें।

कुलगाम में हिंदू मजदूरों की हत्या का शक लतीफ पर

लश्कर से जुड़ा; पहलगाम में 10 दिन पहले कॉन्स्टेबल की हत्या में भी इसका नाम आया था

श्रीनगर। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी। आतंकियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में 2 हिंदू मजदूरों की हत्या आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के आतंकियों ने की है। यह जानकारी खुफिया सूत्रों ने दी है। सूत्रों ने बताया कि इस वारदात को अंजाम आतंकी मोहम्मद लतीफ ने दिया है। इसी ने 22 जुलाई को अनंतनाग में हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की लाल चौक इलाके में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे कुलगाम के केलाम में आतंकियों ने ईंट-भट्टे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। पुलिस को यह जानकारी मौके पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। ये हत्याएं पहलगाम जैसे पैटर्न पर की गई। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें आतंकियों ने 26 पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मार दिया था।

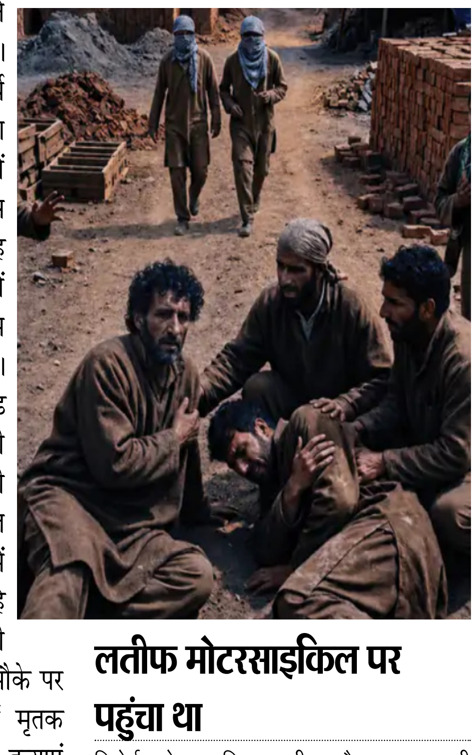

लतीफ मोटरसाइकिल पर पहुंचा था

रिपोर्ट्स के मुताबिक, लतीफ और उसका साथी मोटरसाइकिल पर प्रवासी मजदूरों के पास पहुंचा था। उन्होंने पहचान पत्र चेक किए और बहुत करीब से गोलीबारी की। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। एजेंसियों के अनुसार, उसने यह हमला इसलिए किए ताकि वह यह संदेश दे सके कि उसका मॉड्यूल अब भी एक्टिव है और आतंकी हमले करने में सक्षम है। खुफिया सूत्रों का मानना है कि इस गोलीबारी की साजिश सीमा पार बैठे लश्कर के हैंडलर्स ने रची। शक मुख्य रूप से सज्जाद जट्ट / सैफुल्ला पर है, जो पाकिस्तान में रहने वाला जैश का सीनियर हैंडलर है। बीते दो-तीन साल में कश्मीर के ईंट-भट्ठों पर ऐसे ही आतंकी हमले हुए थे, जिसके बाद पुलिस ने यहां सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया था। इस ईंट भट्ठे पर भी सीसीटीवी कैमरे लगे थे, जिसके फुटेज की पड़ताल की जा रही है। इस पूरे इलाके में 20 से ज्यादा ईंट भट्ठे हैं।

यूपी-बिहार समेत 6 राज्यों से आते हैं सबसे ज्यादा मजदूर

करीब 3-5 लाख प्रवासी मजदूर हर साल मौसमी या अस्थायी काम के लिए जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं। इनमें सबसे ज्यादा मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से आते हैं। ये कंस्ट्रक्शन, ईंट-भट्ठों, सड़क परियोजनाओं, बागवानी, कृषि, होटल-पर्यटन और छोटे उद्योगों में काम करते हैं।

जर्सी विवाद; अब हॉकी इंडिया अध्यक्ष बोले-बिना बताए कलर बदला

दो दिन पहले कहा था- मैदान और जर्सी के नीले रंग से खिलाड़ियों को परेशानी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीला से नारंगी किए जाने पर विवाद गहरा गया है। अब हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने जर्सी का रंग बदलने पर फेडरेशन के अधिकारियों से लिखित जवाब मांगा है। टिर्की का आरोप है कि यह फैसला उन्हें और एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बिना मंजूरी के बिना लिया गया। ओडिशा सरकार ने भी टिर्की से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में हॉकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की नई जर्सी लॉन्च की। इसके बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हॉकी से जुड़े लोगों ने इस बदलाव पर सवाल उठाए। हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को भारतीय टीम की नारंगी रंग की नई जर्सी लॉन्च की। जर्सी का नीला रंग बदले जाने के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हॉकी से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया था। इस पर हॉकी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि इस पर खिलाड़ियों और फेडरेशन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह ली गई थी। हालांकि विवाद तब और बढ़ गया, जब यह दावा सामने आया कि इस फैसले में खिलाड़ियों और अधिकारियों से सलाह नहीं ली गई। जर्सी लॉन्च होने के बाद गुरुवार को टिर्की ने बदलाव का बचाव किया था।